

मोड्यूल 10 : विटामिन 'के' की सुई लगाना

सत्र 4 : सुई लगाना

दिवस : 4

समयावधि : 1 घं. 10 मि.

प्रयोजन

सही विधि से विटामिन 'के' की सुई लगाने के लिए आशाओं द्वारा तैयारी करना।

उद्देश्य

सत्र के अंत में आशाओं में निम्न योग्यताएँ आएँगी –

1. विटामिन 'के' की सुई लगाने के विभिन्न कदमों को बताने के लिए संबंधित जाँच-सूची का प्रयोग करना।
2. बताना कि सुई लगाने के बाद क्या परेशानियाँ हो सकती हैं।

सामग्री

- अध्ययनपत्र 1 तथा अभ्यासपत्र 1 : विटामिन 'के' की सुई से संबंधित जाँच-सूची
- इन्सुलीन सिरिंज
- विटामिन 'के' एम्प्यूल
- चम्मच या कटर (एम्प्यूल तोड़ने के लिए)
- रुई के फोहे
- रुई के फोहे रखने के लिये प्लास्टिक का डिब्बा
- स्पिरिट
- बैगन, आम, केला या गुड़िया
- प्लास्टिक के तीन डिब्बे (एक जिसमें प्रयोग की हुई सुई (सिरिंज), दूसरे में टूटे एम्प्यूल तथा तीसरे में प्रयोग किए रुई के फोहे इकट्ठा कर सकें)।
- दो छोटे डिब्बे जिसमें प्रयोग के बाद रुई के फोहे तथा सुई को रखकर घर ले जाया जा सकता है।

तैयारी

- प्रदर्शन के लिये ऊपर दी गई सभी सामग्री तैयार रखें।

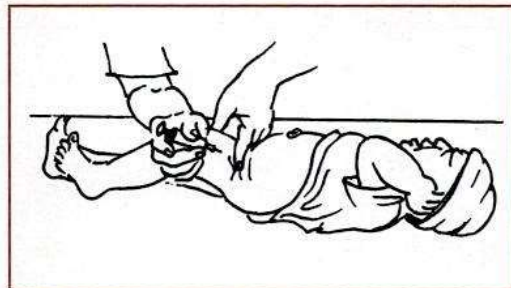
प्रशिक्षण विधि

प्रदर्शन (50 मि.)

प्रशिक्षकों हेतु सुझाव :

1. अध्ययनपत्र 1: विटामिन 'के' की सुई संबंधित जाँच-सूची में दिए प्रत्येक बिन्दु पर समूह के सभी लोगों के साथ चर्चा करें।
2. किसी के कोई प्रश्न हों, तो समाधान करें।
3. जिस जगह पर सुई लगाई जाती है, वहाँ संक्रमण को रोकने के लिए आस-पास की त्वचा का स्वच्छ होना बहुत जरूरी है। हाथ धोने, बच्चे की टाँग साफ करने और सुई की नोक को विसंक्रमित (जीवाणुरहित) रखना अत्यंत आवश्यक है। (ध्यान रहे कि सुई का, हाथ से या किसी चीज़ से संपर्क ना हों।)

4. बच्चे की टाँग क्यों साफ करनी है तथा टाँग को साफ करने की विधि बताएँ। सुई लगने वाली जगह की त्वचा एकदम स्वच्छ होनी चाहिए। पहले अपने हाथ (हाथ धोने के सूची के अनुसार) साफ धोकर सुखाएँ। स्पिरिट में भिगोया हुआ एक फोहा लेकर हाथ पोछ लें। ध्यान रहे, पूरी हथेली, उंगलियों के बीच की जगह तथा नाखून अच्छी तरह से साफ कर लें। यह फोहा फेंकने के लिए अलग रखें। पहले से स्पिरिट में भीगे हुए दूसरे रुई के फोहे से उस जगह को साफ करें जहाँ सुई लगानी है। पोंछते समय फोहा सुई लगाने की जगह रखें और हाथ को गोल घुमाते हुए बाहर की ओर पोंछती जाएँ। उसके बाद स्पिरिट में भीगे एक साफ फोहे से टाँग को फिर से पोंछें। टाँग के साफ किए हुए भाग को तब तक छुए नहीं, जब तक सुई न लगा दें।
5. प्रयोग किए हुए रुई के फोहे प्लास्टिक डिब्बे में रखें। घर जाने के पश्चात् उन्हें अलग डिब्बे में रख दें।
6. सुई लगाने की विधि का प्रदर्शन करें। (बैंगन, आम केला, या गुड़िया का प्रयोग करें)
7. जैसे-जैसे आप करके दिखाते हैं, वैसे-वैसे पढ़ते जाएँ।
8. ध्यान रहे एक बार सुई लगाने के बाद, दुबारा उसी सुई और सिरिंज का प्रयोग ना करें। सिरिंज को पिचकारी की डंडी वाली भाग से पकड़े और प्लास्टिक बॉक्स में डाल दें और घर ले जाएँ। घर जाकर सिरिंज को पिचकारी की डंडी से पकड़कर घर में रखें प्लास्टिक डिब्बे में डाल दें। उसी प्रकार रुई के फोहे भी घर में रखें प्लास्टिक डिब्बे में डाल दें। इंजेक्शन का कचरा कैसे नष्ट करना है यह अगले सत्र में सीखेंगे।
9. किसी के प्रश्न हों, तो समाधान करें।
10. आवश्यक हो, तो दुबारा करके दिखाएँ।



प्रस्तुति/ सामूहिक चर्चा (10 मि.)

प्रशिक्षकों हेतु सुझाव :

1. प्रशिक्षणार्थियों से पूछें कि सुई लगाने के बाद के कुछ दिनों तक घरों के दौरे में आप बच्चे की जाँच करते समय क्या-क्या समस्या देखेंगी ? उनके उत्तर सुनें। (सुई की जगह पर लाली या सूजन और बुखार)
2. समझाएँ कि लाली या सूजन और बुखार संभाव्य संक्रमण के लक्षण हो सकते हैं।
आशा निम्न बातें भी देखें -
 - सुई लगने वाली जगह पर लाली तो नहीं है। यदि लाली ज़्यादा है तो संक्रमण हो सकता है। बच्चे का तापमान लें। यदि बुखार हो तो डॉक्टर के पास भेज दें। यदि बुखार नहीं है, पर इंजेक्शन की जगह लाली है, तो माँ को बताएँ कि वह सुई लगने वाली जगह पर 20 मि. तक नम कपड़ा गर्म करके, दिन में 3 बार रखें। यदि एक दिन में ठीक न हो, या और ज़्यादा बढ़ जाए तो डॉक्टर के पास भेज दें।
 - देखें कि टाँग और पैर ठीक से हिलडुल रहे हैं। यदि नहीं तो डॉक्टर के पास भेज दें।

सारांश (10 मि.)

- प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी से जाँच-सूची में दिए बिन्दुओं को एक-एक कर पढ़ने को कहें।
- किसी एक प्रशिक्षणार्थी से पूछें, कि किन-किन परेशानियों पर ध्यान देना चाहिए।
- किसी अन्य प्रशिक्षणार्थी से पूछें, कि सुई लगाने से पहले माता-पिता को क्या जानकारी दी जानी चाहिए।
- कुछ गलतियाँ हो, तो सुधारें और महत्वपूर्ण जानकारी दोहराएँ।
- आशाओं की उनके अच्छे काम के लिए प्रशंसा करें।

सत्र का मूल्यांकन :

उद्देश्य	आंकलन विधि	परिणाम
विटामिन 'के' की सुई लगाने के विभिन्न कदमों को बताने के लिए संबंधित जाँच-सूची का प्रयोग करना।	जाँच-सूची का प्रयोग करें प्रश्न-उत्तर	प्रशिक्षक के निरीक्षण का विवरण
बताना कि सुई लगाने के बाद क्या परेशानियाँ हो सकती हैं।	प्रश्न-उत्तर	—